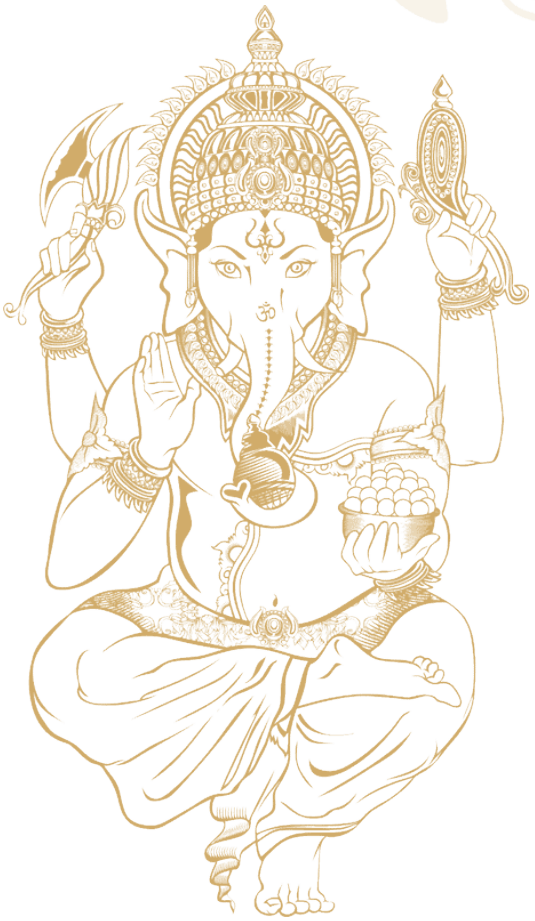

Yugansh

Monika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121506504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/02/1997	जन्म तिथि	08/02/1997
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 22:05:00	जन्म समय	13:30:00 घंटे
घटी 37:21:18	जन्म समय(घटी)	16:01:53 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:28	सूर्योदय	07:05:14
18:01:46	सूर्यास्त	18:05:44
23:49:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:02

विंशोत्तरी बुध 4वर्ष 4मा 2दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 0वर्ष 5मा 8दि	
शुक्र		14:51:54	कन्या	लग्न	वृष	26:11:42	गुरु	
शुक्र		21:04:46	मक	सूर्य	मक	25:47:10	गुरु	
07/06/2008		26:35:45	वृश्चि	चंद्र	कुंभ	05:49:40	**19/07/2015**	
07/06/2028		12:04:20	कन्या	मंगल व	कन्या	12:04:20	**19/07/2031**	
शुक्र	08/10/2011	28:27:42	धनु	बुध	मक	04:52:38	गुरु	06/09/2017
सूर्य	07/10/2012	09:14:47	मक	गुरु	मक	10:19:31	शनि	19/03/2020
चन्द्र	08/06/2014	06:48:57	मक	शुक्र	मक	12:37:44	बुध	25/06/2022
मंगल	08/08/2015	10:02:17	मीन	शनि	मीन	10:29:45	केतु	01/06/2023
राहु	08/08/2018	05:54:23	कन्या व	राहु व	कन्या	05:26:55	शुक्र	30/01/2026
गुरु	08/04/2021	05:54:23	मीन व	केतु व	मीन	05:26:55	सूर्य	18/11/2026
शनि	07/06/2024	11:24:05	मक	हर्ष	मक	11:40:10	चन्द्र	19/03/2028
बुध	08/04/2027	04:16:37	मक	नेप	मक	04:26:44	मंगल	23/02/2029
केतु	07/06/2028	11:28:19	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:33:13	राहु	19/07/2031

लग्न-चलित

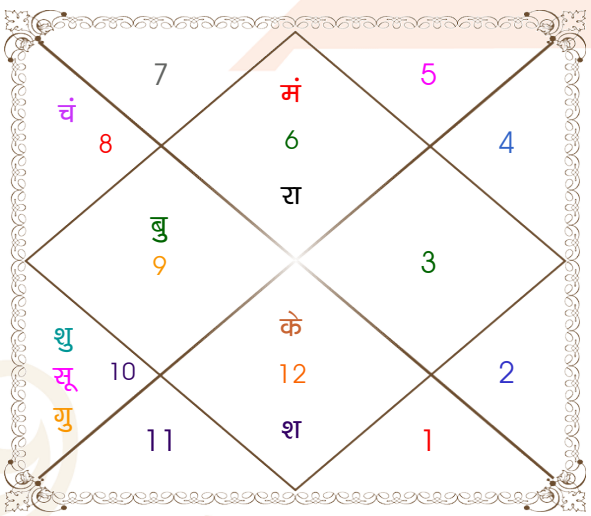

लग्न-चलित

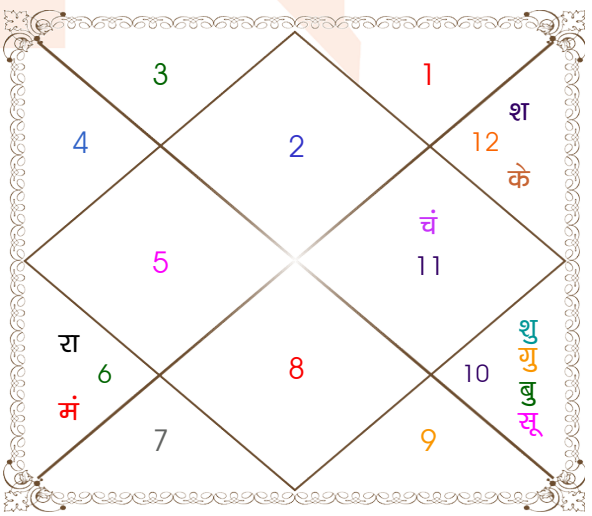

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Yugansh का वर्ग मृग है तथा डवदपां का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Yugansh और डवदपां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Yugansh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Yugansh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डवदपां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डवदपां कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Yugansh तथा डवदपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।